Date - 14th November, 2024

Career Guidance for Law students

करिअर ऑष्णन

लॉ फील्ड में हैं जॉब्स की कई संभावनाएं

पिछले कुछ वर्षों में भारत में स्टूडेंट्स का रुझान लॉ फील्ड की तरफ बर है। श्रम सांख्यिकी ब्यूरों के मुताबिक कानून क्षेत्र में प्रतिवर्ष 46 हज नौकरियां पैदा होती हैं। एक अनुमान के अनुसार 2030 तक भारत में लॉ जुड़ी नौकरियों में 35-40% की बढ़ोतरी हो सकती है। रिसर्च के मुताबिट देश में 95% से अधिक लॉ ग्रेजुएट्स नौकरी पाने में सफल रहते हैं, ज अन्य कोर्सेस के मुकाबले काफी ज्यादा है।। ऐसे में यदि आप भी लॉ क पढ़ाई कर रहे हैं या करना चाहते हैं तो कई तरह के ट्रेडिशनल और नॉ ट्रेडिशनल रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

पढ़ाई

- 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड LLB प्रोग्राम (BA LLB, BCom LLB, BSc LLB): 12वीं के बाद कानून की पढ़ाई के लिए यह लोकप्रिय विकल्प है।
- 3-वर्षीय LLB प्रोग्राम: यह ग्रेजुएशन के बाद उपलब्ध है।
- LLM (मास्टर ऑफ लॉ): कानून में विशेषज्ञता के लिए।
- डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स: साइबर लॉ, इंटलेक्वुअल प्रोपर्टी राइट्स, और अंतरराष्ट्रीय कानून जैसे क्षेत्रों में छोटे कोर्स।
- डॉक्टरेट (Ph.D. इन लॉ): शोध- शिक्षण में करिअर के लिए।

ट्रेडिशनल जॉब्स

- 1. कोर्टरूमः लॉ की पढ़ाई के बाद जज बनना एक ट्रेडिशनल और सम्मानजक विकल्प हो सकता है। इसके लिए ज्युडिशियल सर्विस एग्जामिनेशन और पीसीएस-जे एग्जाम क्लियर करने होंगे। इसी तरह सहायक जिला अभियोजन अधिकारी या उच्च-स्तरीय कानूनी सहायक भी सरकारी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर हैं। इसके अलावा एन्एलबी के बाद वकालत सबसे लोकप्रिय विकल्प है।
- लॉ फर्मः ये फर्म्स क्लाइंट्स को एक या अधिक क्कीलों की सेवाएं देती हैं। खैतान एंड कंपनी, ठुकराल लॉ एसोसिएट्स, आनंद एंड आनंद और ट्राइलीगल आदि भारत की प्रमुख कानून फर्मों में शामिल हैं।

नॉन टेडिशनल जॉब्स

- लीगल जर्निलस्ट: आम लोगों को कानूनी मामलों और अवधारणाओं को समझने में मुश्किल होती है। लेकिन लीगल जर्नीलस्ट इस मुश्किल को आसान कर सकते हैं।
- 2. लीगल रिसर्च और एकडिमिक्स लीगल स्कॉलर्स एकेडिमिक के अलावा कई तरह के थिंक टैंक, रिसर्च इंस्टीट्रयूट्स और यूनिवरिस्टी से जुड़ सकते हैं। नए कानून और नीतियाँ बनाने में भी योगदान दे सकते हैं।

ANIL MISHRA
(Training & Placement Officer)